भारत सरकार

गृह मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1041

दिनांक 04.03.2015/13 फाल्गुन, 1936 (शक) को उत्तर के लिए

विदेश मे प्रशिक्षित उग्रवादियों का उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में चोरी-छिपे प्रवेश करना

1041. श्री पॉल मनोज पांडियन :
क्या **गृह मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि कई सुप्रशिक्षित उग्रवादी कानून और व्यवस्था संबंधी समस्या उत्पन्न करने के लिए अपने विदेशी शरण स्थानों से उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में चोरी-छिपे प्रवेश कर चुके है:
(ख) यदि हां, तो तंत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या यह भी सच है कि सरकार इस संबंध में उत्तर –पूर्वी क्षेत्र के साथ समन्वय स्थापित कर रही है; और
(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?
उत्तर

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री **(श्री किरेन रिजिजू)**
(क) और(ख): रिपोर्टों के अनुसार, भारत विद्रोही समूहों (आईआईजी) ने म्यांमार और बांग्लादेश में अपने शिविर, आश्रय स्थल और प्रशिक्षण केंद्र स्थापित कर रखे हैं। केन्द्र सरकार ने सीमा सुरक्षा बलों की तैनाती तथा आधुनिक उपकरणों से उनको सुसज्जित करके, बाड़ लगाकर, तेज रोशनी की व्यवस्था करके तथा नदीय क्षेत्रों में गश्त के सुदृढ़ीकरण आदि के द्वारा अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं पर कड़ी निगरानी रखने के लिए विभिन्न कदम उठाए हैं। बांग्लादेश और म्यांमार प्राधिकारियों से यह अनुरोध किया गया है कि वे भारत-विद्रोही समूहों के नेताओं पर कड़ी कार्रवाई करें और उनके देशों में स्थित उन समूहों के आश्रय स्थलों/छिपने के ठिकानों को नष्ट करें। बांग्लादेश और म्यांमार की सरकार ने उच्चतम स्तर पर यह आश्वस्त किया है कि भारत के लिए हानिकारक गतिविधियों के लिए उनके भू-भाग का इस्तेमाल किए जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

(ग) और (घ): केन्द्र सरकार पूर्वोत्तर राज्यों के साथ गहन और निरंतर समन्वय बनाए हुए है और विद्रोही समूहों द्वारा चलाए जा रहे अवैध और विधिविरुद्ध क्रियाकलापों पर अंकुश लगाने तथा उन्हें नियंत्रित करने के लिए इस क्षेत्र में राज्य सरकारों द्वारा ठोस प्रयास किए जा रहे हैं। सुरक्षा बलों द्वारा अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं पर प्रभावी प्रभुत्व स्थापित किए जाने, समन्वित गश्त, सीमा चौकियों के बीच संवेदनशील अंतरालों की पहचान करके तथा उनमें कमी लाने और सीमावर्ती क्षेत्रों में नदीय गश्त आदि के सुदृढ़ीकरण से सीमापारीय आवाजाही तथा विद्रोही समूहों की अन्य अवैध गतिविधियों को नियंत्रित करने में सहायता मिली है।

****